Mind & Mouse Creation
www.eworksheet.org
Free Worksheets & Study Material Class 1 To 12

रूपान्तरित शारीरिक शिक्षा के लक्ष्य व् उद्देश्य

सरकार द्वारा असहाय बच्चों को पहचानने के लिए कई कार्यक्रम चलाए गए हैं। जिनमें से कुछ इस प्रकार से है जैसे– सुधारात्मक शारीरिक शिक्षा, उपचारात्मक शारीरिक शिक्षा, शारीरिक चिकित्सा, सुधारात्मक चिकित्सा, विकासात्मक शारीरिक शिक्षा, व्यक्तिगत शारीरिक शिक्षा आदि।

रूपान्तरित शारीरिक शिक्षा–

शारीरिक शिक्षा का उपविषय है। यह एक व्यक्तिगत कार्यक्रम है जिसमें विद्यार्थियों का विकास किया जात है।

जिन विद्यार्थियो को विशेष शारीरिक शिक्षा कार्यक्रम की आवश्यकता है। रूपान्तरित शारीरिक शिक्षा के अर्न्तगत शारीरिक पुष्टि, गामक पुष्टि, मूलभूत गामक कौशल और तैराकी के विभिन्न कौशल, नृत्य कौशल, व्यक्तिगत एवं सामूहिक खेलकूद।

उद्देश्य :–

(1) चिकित्सा परीक्षण
(2) कार्यक्रम विद्यार्थियों की रूचि के अनुसार हो।
(3) उपकरण आवश्यकतानुसार होने चाहिए।
(4) विशेष पर्यावरण प्रदान करना चाहिए।
(5) विद्यार्थियों की आवश्यकनुसार नियमों का संशोधन किया जाना चाहिए।
(6) आसान नियम होने चाहिए।

एकीकृत शारीरिक शिक्षा की अवधारणा तथा सिद्धान्त :

अवधारणा : इसके अन्तर्गत विभिन्न उपविषयों का ज्ञान तथा उनकी उपयोगिता की जानकारी होनी चाहिए, जिससे छात्रों को उचित ढंग से प्रशिक्षित किया जा सके। एकीकृत शारीरिक शिक्षा का ज्ञान सभी व्यक्तियों की पुष्टि, सुयोग्यता बढ़ाने में सहायक होगा। इससे अच्छी गुणवत्ता के कार्यक्रम तैयार किये जा सकते हैं।

रूपांतरित शारीरिक शिक्षा की अवधारणा व सिद्धांत :

ऐसे बच्चे जिनमें अनेक प्रकार की समर्थताएँ व अयोग्ताएँ जैसे मानसिक दुर्बलता, बहरापन, अन्धापन, भाषा–असक्षमता होती है। इनके लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित करने चाहिए, जिससे उनमें शारीरिक व गामक पुष्टि, ज्ञानात्मक, सामाजिक, भावानात्मक विकास किया जा सके।

सिद्धान्त : इसक` कार्यक्रम चिकित्सा परीक्षण विद्यार्थियों की रूचियों व क्षमता के अनुसार उपकरण आवश्यकतानुसार हो, विशेष पर्यावरण प्रदान करें, विभिन्न शैक्षिक सूक्तियों को लागू करना आवश्यक है।

Mind & Mouse Creation
www.eworksheet.org
Free Worksheets & Study Material Class 1 To 12

Mind & Mouse Creation
www.eworksheet.org
Free Worksheets & Study Material Class 1 To 12

स्पेशल ओलंपिक भारत : यह संस्था शारीरिक व मानसिक रूप से असक्षम खिलाड़ियों को ओलंपिक स्तर के लिए तैयार करती है। देश में राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय खेल प्राधिकरण की मदद से 24 एकल व टीम खेलों के लिए उन्हें प्रशिक्षण दिया जाता है। यह संस्था 1982 एक्ट के अन्तर्गत सन् 2001 में शुरू की गई।

पैरालिम्पिकस (PARALYMPICS)

यह खेल शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिये आयोजित ओलम्पिक खेल है। सर्वप्रथम पैरालिम्पिकस 1960 में रोम में शुरू हुए। इन खेलों का मुख्यालय वोन–जर्मनी में स्थित है।

Deaflympics — डैफलिम्पिक

डैफलिम्पिक वधिर खिलाड़ियों के लिए आयोजित किए जाने वाले विश्व में सबसे बड़ा आयोजन
है। इनका आयोजन वधिरों के लिए खेलों की अन्तर्राष्ट्रीय कमेटी (The International Committee of Sports for the Deaf) द्वारा किया जाता है।

Deaflympics अन्तर्राष्ट्रीय ओलम्पिक सघं द्वारा स्वीकृत है। ओलम्पिक खेलों की तरह डैफलिम्पिक खेल प्रत्येक चार वर्ष में आयोजित किए जाते है। Deaflympics का प्रारम्भ 1924 में पेरिस में हुआ था। Winter Deaflympic की शुरूआत 1949 को हुई। इन खेलों की शुरूआत मात्र 148 खिलाड़ियों के प्रर्दशन से हुई किन्तु अब लगभग 4000 खिलाड़ी इन खेलों में भाग लेते है।

डैफलिम्पिक (Deaflympics) में प्रति स्पर्धा करने के लिए खिलाड़ी की वधिरता कम से कम 55 डेसिबल होनी चाहिए। प्रतिस्पर्धा करते समय खिलाड़ी किसी सुनने के यन्त्र का प्रयोग नहीं कर सकते। Deaflympics में प्रतिस्पर्धा का आरम्भ करने के लिए ध्वनि यन्त्रों का प्रयोग नहीं किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, बन्दूंक की आवाज, सीटी की आवाज इत्यादि। अतः खेल की शुरूआत करने एवं खेल को आगे बढ़ाने के लिए फुटवॉल रेफरी झंड़े का प्रयोग करता है एवं दौड़ शुरू करने के लिए रौशनी की चमकार का प्रयोग किया जाता है। दर्शक भी ताली बजाने की अपेक्षा दोनों हाथों को लहरा लहराकर प्रतियोगियों का अभिनदंन करते हैं।

वर्ष आयोजक देश – Summer Deaflympics
अगस्त 2013 – सोफीया (बुलगारिया)
July 2017 – सैमसन (टर्की)

Mind & Mouse Creation
www.eworksheet.org
Free Worksheets & Study Material Class 1 To 12

Mind & Mouse Creation
www.eworksheet.org
Free Worksheets & Study Material Class 1 To 12

Winter Deaflympics
March 2015 रशिया Russia
2019 इटली Italy.

एकीकृत या समग्र शारीरिक शिक्षा

शारीरिक शिक्षा की यह एक नई धारणा है। यह एक भली भांति जाना हुआ तथ्य है कि आज सारा विश्व बहुत तीव्र गति से बदल रहा है। शारीरिक शिक्षा का पारम्परिक रूप या ढ़ांचा भावी समाज की आवश्यकताओं से निपटने के लिए सक्षम नहीं है इसलिए एकीकृत या संघटित शारीरिक शिक्षा, समय की आवश्यकता बन चुकी है।

एकीकृत या समग्र शारीरिक शिक्षा की धारणा बहुत व्यापक है यह केवल शारीरिक गातिविधियों व खेलकूल तक ही सीमित नहीं है अपितु यह एक पूर्ण विषय बन चुका है। पिछले दो दशकों में इस क्षेत्र में ज्ञान की अत्यधिक वृद्धि हो चुकी है। अनुसंधान कार्यो के कारण विभिन्न उपविषय प्रकाश में आ चुके है। जैसे– खेल समाज शास्त्र, खेल जीव्र–यांत्रिकी, खेल चिकित्सा विज्ञान, खेल शिक्षा शास्त्र, खेल क्रिया विज्ञान, खेल मनोविज्ञान, खेल दर्शनशास्त्र व खेल प्रबन्धन आदि।

एकीकृत शारीरिक शिक्षा अपने उपविषयों के एकीकरण के साथ, बहु विषयक के सीखने पर जोर डालती है। एकीकृत शारीरिक शिक्षा, विद्यार्थियों के लिए अनेक अवसर जैसे– नए सम्बन्धो को देखने, एक पृष्ठभूमि से जो कुछ सीखा हो उसे दूसरी पृष्ठभूमि में स्थानान्तरण करना व विभिन्न तरीकों में सीखने पर बल देना प्रदान करती है। एकीकृत या समग्र शारीरिक शिक्षा का ज्ञान, सभी व्यक्तियों की पुष्टि, स्वास्थ्य व सुयोग्यता को बढाने व बनाए रखने में विशेष रूप से सहायक सिद्ध होगा। एकीकृत शारीरिक शिक्षा की सहायता से शारीरिक शिक्षा के उच्च गुणवत्ता वाले कार्यक्रम तैयार किए जा सकते है।

समावेशन की अवधारणा, इसकी जरूरत तथा क्रियान्वयन

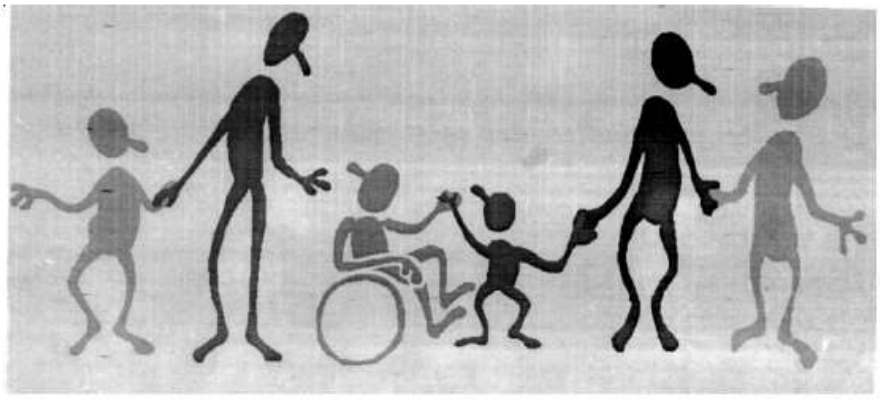

Mind & Mouse Creation
www.eworksheet.org
Free Worksheets & Study Material Class 1 To 12

Mind & Mouse Creation
www.eworksheet.org
Free Worksheets & Study Material Class 1 To 12

समावेशन (INCLUSION) समावेशन के अंतर्गत विशेष जरूरत वाले बच्चे अपना अधिकांश समय सामान्य बच्चों के साथ बिताते हैं। स्कूलों में समावेंशित शिक्षा का उपयोग करते समय इस बात का ध्यान रखा जाता हैं कि विशेष बच्चों की आवश्यकता माइल्ड से सिवियर तक हो। समावेशिक शिक्षा विशेष जरूरतों वाले बच्चां को सामान्य बच्चा के साथ शिक्षित करने की एक प्रक्रिया है।
समावेश विशेष विद्यालयों, विशेष कक्षाओं की उपयोगिता को अस्वीकार करता है। समावेशन का उद्देश्य–विशेष बच्चों की सम्पूर्ण भागीदारी और सामाजिक शैक्षिक और मौलिक अधिकारों की पूरी–पूरी सुरक्षा करना समावेशीकरण का उद्देश्य है।

समावेशन की आवश्यकता निम्न कारणों से है।
(1) समावेशी शिक्षा प्रत्येक बच्चे के लिए उच्च और उचित उम्मीदों के साथ, उसकी व्यक्तिगत शक्तियों का विकास करती है।
(2) समावेशी शिक्षा अन्य छात्रों को अपनी उम्र के साथ कक्षा के जीवन में भाग लेने और व्यक्तिगत लक्ष्यों पर काम करने हेतु अभिप्रेरित करती है।
(3) समावेशी शिक्षा बच्चों को उनके शिक्षा के क्षेत्र में और उनके स्थानीय स्कूलों की गतिविधियों में उनके माता–पिता को भी शामिल करने की वकालत करती है।
(4) समावेशी शिक्षा सम्मान और अपनेपन की स्कूल संस्कृति के साथ–साथ व्यक्तिगत मतभेदों को स्वीकार करने के लिए भी अवसर प्रदान करती है।
(5) समावेशी शिक्षा अन्य बच्चों, अपने स्वंय की व्यक्तिगत आवश्यकताओं और क्षमताओं के साथ प्रत्येक का एक व्यापक विविधता के साथ दोस्ती का विकास करने की क्षमता विकसित करती है। इस प्रकार कुल मिलाकर यह समावेशी शिक्षा समाज के सभी बच्चों को शिक्षा की मुख्य
धारा से जोड़ने का समर्थन करती है।

प्रारमर्श दाता – (Counseller)
विशेष शिक्षा परामर्शदाता, विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के साथ काम करता है। यह परामर्श दाता, प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्य करते है। परामर्शदाता, विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए शैक्षणिक, भावनात्मक उत्थान, व्यक्तिगत एवं सामाजिक
उत्थान
के अवसर उपलब्ध करवाता है।

Mind & Mouse Creation
www.eworksheet.org
Free Worksheets & Study Material Class 1 To 12

Mind & Mouse Creation
www.eworksheet.org
Free Worksheets & Study Material Class 1 To 12

Mind & Mouse Creation
www.eworksheet.org
Free Worksheets & Study Material Class 1 To 12

• **(Occupational Therapist)**
व्यवसायिक चिकित्सा का उद्देश्य बच्चे के रोजमर्रा के कार्यों में स्वतन्त्र बनाना एवं उसकी भागीदारी सुनिश्चित करना है जैसे कि स्वयं की देख–रेख करना, खेलना, स्कूल जाना इत्यादि में बच्चे को स्वतन्त्र रूप से कार्य करने में सक्षम बनाना। व्यवसायिक चिकित्सक बच्चे की आवश्यकता क` अनुसार आसपास के वातावरण में सुधार करते है जिससे बच्चों की क्रियाओं में वाधा उत्पन्न न हो।

• **भौतिक चिकित्सक–(Physiotherapist)**
भौतिक चिकित्सक शारीरिक कार्य प्रणाली के विकास एवं सुधार करने के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित होते है। इसमें शरीर की विभिन्न गतियाँ, सन्तुलन आसन (Posture) थकावट (Fatigure) और दर्द (Pain) आदि से सम्बंधित दोषों के निवारण में सहायक होते है।

• **(Physical Education Teacher)**
शारीरिक शिक्षा के कार्यक्रम विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के सज्ञांत्मक कार्यो (Congnitive Function) और शैक्षणिक प्रदर्शन में प्रगतिशील योगदान देते है। सामाजिक कोशल (Social Skills) और (Collaboration Team work)– सामूहिक समूह कार्यो को भी शारीरिक शिक्षा के अलग–अलग कार्यक्रमों द्वारा बढ़ाया जा सकता है। एक शारीरिक शिक्षा शिक्षक, शारीरिक शिक्षा के सभी कार्यक्रमों को क्रियान्वित करता है।

• **वाक्–चिक्त्सिक–(Speech Therapist)** वाक चिकित्सक को और कई नामो से जाना जाता है जैसे वाक शिक्षक (Speeh Tcacher) वाक्–भाषा चिकित्सक इत्यादि। वाक् चिकित्सक बच्चों में कई प्रकार के विकासात्मक विलम्ब, जैसे– स्वलीनता (Autism) श्रवण वाधित (Hearing Impairmant) और डाऊन सिन्ड्रोम (down syndrome) के कारण होने वाले दोषों को दूर करने में सहायता करता है।

• विशेष शिक्षण, शिक्षक (Special Education Teacher)
विशेष शिक्षण शिक्षक, विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों के साथ कक्षा में या कार्यशालाओं में कार्य करते है। विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थी एक कक्षा में साधारण विद्यार्थियों के साथ भी शिक्षा ले सकते है। ऐसी कक्षा को समावेशी कक्षा (Inclusive Classroom) कहते है। विशेष शिक्षण शिक्षक का कार्य बहुआयामी एव बहुरंगी होता है। ऐसे शिक्षक की कार्यप्रणाली और विशेषता, विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थी की आवश्यकता अनुसार तय की जाती है।

Mind & Mouse Creation
www.eworksheet.org
Free Worksheets & Study Material Class 1 To 12

Mind & Mouse Creation
www.eworksheet.org
Free Worksheets & Study Material Class 1 To 12

प्रश्न . रूपान्तरित शारीरिक शिक्षा क्या है?

उत्तर–रूपान्तरित शारीरिक शिक्षा दिव्यांग बच्चों को व्यक्तिगत रूप से सुरक्षित, संतुष्टिदायक तथा शारीरिक क्रियाओं से सम्बन्धित सफल अनुभव प्रदान करती है।

प्रश्न . एकीकृत या समग्र शारीरिक शिक्षा क्या है?

उत्तर–एकीकृत या समग्र शारीरिक शिक्षा की धारणा बहुत व्यापक है। यह केवल शारीरिक गतिविधियों व खेलकूद तक ही सीमित नही है अपितु यह एक पूर्ण विषय बन चुका है।

प्रश्न . समावेशन को परिभाषित करें।

उत्तर–शिक्षा में समावेशन एक पहल (Approach) है जो उन विद्यार्थियों को शिक्षित करती है जिनकी खास शैक्षिक आवश्यकताएँ होती हैं। समावेशी शिक्षा से हमारा तात्पर्य ऐसी शिक्षा प्रणाली से है जिसमें सभी शिक्षार्थियों को बिना किसी भेदभाव के सीखने के समान अवसर मिले, परन्तु आज भी यह समावेशी शिक्षा उस मुकाम पर नहीं पहुंची है, जहाँ इसे पहुँचना चाहिए।

प्रश्न . समावेशन की अवधारणा से आपका क्या अभिप्राप्य है?

उत्तर–समावेशी शिक्षा की परिकल्पना इस संकल्पना पर आधारित है कि सभी बच्चों के विद्यालयी शिक्षा में समावेशन व उसकी प्रक्रियाओं की व्यापक समझ की इस प्रकार आवश्यकता है कि उन्हें क्षेत्रीय, सांस्कृतिक, सामाजिक परिवेश और विस्तृत सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक प्रक्रियाओं में ही संदर्भित करके समझा जाए।

प्रश्न . समावेशन की दो जरूरते बताइए।

उत्तर–

1. समावेशन बच्चों को उनके शिक्षा के क्षेत्र में और उनके स्थानीय स्कूलों की गतिविधियों में उनके माता–पिता को शामिल करने की वकालत करती हैं।
2. समावेशन से समाज के सभी बच्चे शिक्षा की मुख्य धारा से जुड़ जाते है।

Mind & Mouse Creation
www.eworksheet.org
Free Worksheets & Study Material Class 1 To 12

Mind & Mouse Creation
www.eworksheet.org
Free Worksheets & Study Material Class 1 To 12

Mind & Mouse Creation
www.eworksheet.org
Free Worksheets & Study Material Class 1 To 12

प्रश्न . हम स्कूलों में समावेशन को कैसे लागू कर सकते हैं? या विद्यालयी शिक्षा और उसके परिसर में समावेशी शिक्षा के दो तरीके बताइए।

उत्तर–

1. दाखिले की नीति में परिवर्तन करकेः– इसके अंतर्गत हम अंधे बच्चों का स्कूल में दाखिला करके समावेशन कर सकते हैं।

2. स्कूल के वातावरन में सुधारः– समावेशन के उचित माहौल के लिए हम स्कूल का वातावरण अच्छा बना सकते हैं क्योंकि स्कूल का वातावरण किसी भी प्रकार की शिक्षा में बड़ा ही योगदान रखता है।

प्रश्न . पैरालिम्पिक खेलों के प्रारंभ, उदभव के बारे में संक्षेप में लिखें।

उत्तर–द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान लाखों को काफी भीषण पीड़ा से गुजरना पड़ा काफी लोग युद्ध की भीषणता को याद कर काँप उठते थे। इस युद्ध का दर्द समझते हुए सर लुडविंग गल्टमैन ने सन् 1948 में लंदन के विभिन्न अस्पतालों में शारीरिक रूप से विकलांग हुए लोगों की प्रतियागिता का आयोजन किया जो काफी सफल रहा तथा काफी सराहा गया। इसी से प्रेरित होकर 1960 के रोम ओलम्पिक के दौरान लूडींग गटमा (Luding Gutma) ने करीब 400 विकलांग खिलाड़ियों को एकत्रित किया और खेलों का आयोजन किया और इन खेलों को पैरालिम्पिकस का नाम दिया गया। अंतराष्ट्रीय पैरालिम्पिक संस्था जो कि समर और विंटर ओलम्पिक खेलों का आयोजन करती है। इसका मुख्यालय बान जर्मनी में है। अंतराष्ट्रीय पैरालिम्पिक का Symbol तीन रंगो लाल, नीला, और हरा शामिल है तथा इसका Moto **sprit in motion** है।

प्रश्न . एकीकृत व समग्र शारीरिक शिक्षा के सिद्धान्तों की व्याख्या कीजिए।

उत्तर–.

1 यह शारीरिक शिक्षा के विभिन्न उपविषयों के पारस्परिक सम्बन्धों पर आधारित होनी चाहिए।
2. यह सभी व्यक्तियों की आवश्यकतानुसार होनी चाहिए।
3. इसे वर्तमान व भावी समाज की आवश्यकताओं से निपटने में सक्षम होना चाहिए।
4. इसे शारीरिक शिक्षा की व्यापक एवं गहरी जानकारी उपलब्ध कराने में सक्षम होना चाहिए
5. इसे पुष्टि, सुयोग्यता को विकसित करने योग्य होना चाहिए।
6. इसे व्यक्तियों का सामाजिक व भावनात्मक विकास को सीखने योग्य होना चाहिए।

Mind & Mouse Creation
www.eworksheet.org
Free Worksheets & Study Material Class 1 To 12

Mind & Mouse Creation
www.eworksheet.org
Free Worksheets & Study Material Class 1 To 12

प्रश्न . स्पेशल ओलम्पिक भारत पर टिप्पणी लिखिए–

उत्तर–इस संस्थान का गठन सन् 2001 में शारीरिक तथा मानसिक रूप से दिव्यांग लोगों की खेलों में भागीदारी बढ़ाने के लिए किया गया। इसका उद्देश्य ऐसे विद्यार्थियों में नेतृत्व के सामाजिक गुणों तथा स्वास्थ्य को विकसित करना है।

यह संगठन राज्य स्तर, राष्ट्रीय स्तर पर खेलों का आयोजन करती है। अच्छे खिलाड़ियों का चुनाव करके अन्तर्राष्ट्रीय खेलों के लिए उन्हें प्रशिक्षण देती है।
भारत में सन् 2002 के पश्चात् लगभग 23,750 प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय खेलों में भाग लिया है।

सन् 1987–2013 तक कुल 671 स्पेशल ओलम्पिक भारत एथलीटो (Athletes) ने सात ग्रीष्मकालीन व पाँच शीतकालीन विश्व खेलों में भाग लिया इन्होंने 246 स्वर्ण पदक, 265

रजतपदक तथा 27 कास्य पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया है। आज देश में लगभग 1 मिलियन एथलीट इस संस्था के सदस्य है तथा लगभग 84,950 प्रशिक्षक खिलाड़ियों का प्रशिक्षण देते हैं। यह संस्था खेलों के माध्यम से खिलाड़ियों का सर्वांगीण विकास करती है।

Mind & Mouse Creation
www.eworksheet.org
Free Worksheets & Study Material Class 1 To 12

Mind & Mouse Creation
www.eworksheet.org
Free Worksheets & Study Material Class 1 To 12

Mind & Mouse Creation
www.eworksheet.org
Free Worksheets & Study Material Class 1 To 12

प्रश्न . रूपान्तरित शारीरिक शिक्षा के प्रभावी बनाने के लिए किन सिद्धान्तों नियमों का पालन करना आवश्यक है। विवरण कीजिए।

उत्तर–

1. चिकित्सा परीक्षण– रूपान्तरित शारीरिक शिक्षा के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए चिकित्सा परीक्षण अत्यंत आवश्यक हैं इसके बिना यह नहीं पता चलेगा कि विद्यार्थी किस प्रकार की असमर्थता का सामना कर रहा है। अतः विद्यार्थियों का पूर्ण चिकित्सा प्रशिक्षण किया जाना चाहिए।

2. कार्यक्रम विद्यार्थियों की रूचि के अनुसार हो– कार्यक्रम विद्यार्थियों की रूचियों, योग्यताओं व पूर्ण अनुभवों पर आधारित होने चाहिए। अध्यापिको को भी इनकी जानकारी होनी चाहिए। तभी वह एक सफल कार्यक्रम बना सकते है।

3. उपकरण आवश्यकतानुसार होने चाहिए–विद्यार्थियों की उनकी असमर्थता के अनुसार ही विभिन्न प्रकार के उपकरण प्रदान करने चाहिए। जैसे–दृष्टि संबन्धी क्षतियों वाले विद्यार्थियों को ऐसी गेदें दे जिनमें घंटियाँ बंधी हों ताकि जब बाल फर्श पर लुढ़के तो आवाज उत्पन्न करे और विद्यार्थी आवाज को सुनकर बॉल की दिशा व दूरी समझ सके।

4. विशेष पर्यावरण प्रदान करना चाहिए– बच्चों की गति क्षमताएँ सीमित होने पर खेल क्षेत्र के बीच भी सीमित करना चाहिए। भाषा–असक्षम बच्चों को खेल के बीच में आराम भी देना चाहिए क्योंकि वे उच्चारण में अधिक समय लेते हैं। उनका क्षेत्र भी सीमित होना चाहिए।

5. विद्यार्थियों की आवश्यकतानुसार नियमों का संशोधन किया जाना चाहिए–विद्याथिर्य ों की आवश्यतानुसार नियमों में बदलाव कर लेना चाहिए किसी कौशल को सीखने के लिए अतिरिक्त समय, प्रयास, अतिरिक्त मैदान तथा एक अंक के स्थान पर दो अंक दिया जा सकता हैं इस प्रकार उन्हें भी संर्वांगीण विकास के अवसर दिए जा सकते हैं।

Mind & Mouse Creation
www.eworksheet.org
Free Worksheets & Study Material Class 1 To 12

Mind & Mouse Creation
www.eworksheet.org
Free Worksheets & Study Material Class 1 To 12

प्रश्न . शिक्षा के समावेशीकरण पर टिप्पणी लिखों।

उत्तर–समावेशी शिक्षा एक शिक्षा प्रणाली है।

शिक्षा का समावेशीकरण यह बताता है कि विशेष शैक्षणिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए एक सामान्य छात्र और एक अशक्त या विकलांग छात्र को समान शिक्षा प्राप्त के अवसर मिलने चाहिए। इसमें एक सामान्य छात्र एक अशक्त या विकलांग छात्र के साथ विद्यालय में अधिकतर समय बिताता है। पहले समावेशी शिक्षा की परिकल्पना सिर्फ विशेष छात्रों के लिए की गई थी लेकिन आधुनिक काल में हर शिक्षक को इस सिदांत को विस्तृत दृष्टिकोण में अपनी कक्षा में व्यवहार में लाना चाहिए।

समावेशी शिक्षा या एकीकरण के सिद्धात की जड़ें कनाडा और अमेरिका से जुड़ी हैं। समावेशी शिक्षा विशेष विद्यालय या कक्षा को नहीं स्वीकार करता। अशक्त बच्चों को अब सामान्य बच्चों से अलग करना अब मान्य नहीं है। विकलांग बच्चों को भी सामान्य बच्चों की तरह ही शौक्षिक गतिविधियों में भाग लेने का अधिकार है।

Mind & Mouse Creation
www.eworksheet.org
Free Worksheets & Study Material Class 1 To 12

Mind & Mouse Creation
www.eworksheet.org
Free Worksheets & Study Material Class 1 To 12

Mind & Mouse Creation
www.eworksheet.org
Free Worksheets & Study Material Class 1 To 12

प्रश्न . विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के विकास में परामर्शदाता का क्या योगदान है ?

उत्तर–

1. परामर्शदाता का कार्य सभी बच्चों की सहायता करना है, जिसमें विशेष आवश्यकता वाले बच्चे भी शामिल है, परामर्शदाता की सहायता एवं सकारात्मक योगदान से इन बच्चों की वृद्धि एवं विकास की दर बढ़ जाती है।

2. विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों को बचपन से ही व्यक्तिगत शिक्षा कार्यक्रम (Individualised Education Programme IEP) न केवल उनके शैक्षणिक योग्यता बल्कि भावात्मक स्वास्थ्य और सामाजिक तालमेल में सकारात्मक बदलाव लाती है। इस प्रकार विशेष आवश्यकता वाले बच्चे समाज के लिए उपयोगी सिद्ध होते है।

3. परामर्श दाता, विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की उनकी विशिष्टता के अनुसार उनके साथ परामर्श सत्र आयोजित करता है।

4. परामर्श दाता व्यक्तिगत शिक्षा कार्यक्रम (Individualised Education programme) में बच्चों के अभिभावकों की भागीदारी सुनिश्चित करता है।

5. विद्यालयों के अन्य शिक्षकों एवं कर्मचारियों से परामर्श और सहयोग कर विशेष बच्चों की आवश्यकताओं के अनुसार वातावरण उपलब्ध कराने में परामर्शदाता सहायता करता है।

6. अन्य विद्यालयों, समाज के अन्य पेशे ों के विशेषज्ञ सै व्यवसायिक चिकित्सक, मनोचिकित्सक भौतिक चिकित्सक आदि के सहयोग से विशेष बच्चों की सहायता करना। परामर्शदाता, विद्यालय में जिन बच्चों को विशेष शिक्षा की आवश्यकता होती है, उनकी समय–समय पर पहचान करता है, और उनके लिए विशेष शिक्षा योग्यता का निर्धारण करता है।

Mind & Mouse Creation
www.eworksheet.org
Free Worksheets & Study Material Class 1 To 12

Mind & Mouse Creation
www.eworksheet.org
Free Worksheets & Study Material Class 1 To 12

विशेष शैक्षणिक आवश्यकताओ वाले बच्चो के लिए व्यवसायिक चिकित्सक का क्या है ?

उत्तर–1. स्वयं की देखरेखः–व्यावसाहिक चिकित्सक विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों को आत्म–निर्भर बनाने में सहायक सिद्ध होता है। एवं रोजमर्रा (दिनचर्या) के कार्य जैसे–खाना–खाना, कपड़े–पहनना, नहाना आदि क्रियाओं को करने में सहायता करता है।

2. खेल खेलने में सहायकः–व्यावसाहिक चिकित्सक बच्चों को खेल में भाग लेने के लिए उनकी विशेष आवश्यकताओं के अनुसार खिलोनों के आकार (आकृति) गति और रंग में परिवर्तन कर उनके खेलने में उपयोगी बनाता है।

3. विद्यालय की क्रियाओं में सहायकः–एक व्यावसाहिक चिकित्सक बच्चे को निरन्तर विद्यालय जाने के लिए प्रेरित करता है। तथा उनकी आवश्यकताओं के अनुसार मेज, कुर्सी, लिखने की सामग्री आदि में उनकी आवश्यकता के अनुसार बदलाव करने का सुझाव देते है।

4. रहन–सहन के वातावरण में बदलावः– एक व्यावसाहिक चिकित्सक मुख्य रूप से, घर, विद्यालय एवं खेल मैदान की क्रियाओं को करने के लिए वातावरण में आवश्यक सुधार करके विशेष बच्चों के अनुकूल बनाता है।

5. Fine Moter Skill and Hand Writteing: बच्चे के लेखन एवं सूक्ष्म गामक क्रियाओं में सुधारः–एक व्यावसाहिक चिकित्सक विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के सूक्षम गामक क्रियाओं एवं लेखन में सुधार करने में सहायता करता है।

6. विशेष पट्टिया बनाना (Splinting):–एक व्यावसाहिक चिकित्सक विशेष बच्चों को विभिन्न प्रकार की क्रियाओं को करने के लिए विशेष प्रकार की पट्टियाँ भी बनाने का कार्य करता है।

Mind & Mouse Creation
www.eworksheet.org
Free Worksheets & Study Material Class 1 To 12

Mind & Mouse Creation
www.eworksheet.org
Free Worksheets & Study Material Class 1 To 12

प्रश्न . भौतिक चिकित्सक (Physiotheopist) के योगदान द्वारा कैसे विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चे लाभान्वित होते है? विवरण दीजिए?

उत्तर–1. विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को उनकी शारीरिक अक्षमता के कारण होने वाली कठिनाइयों, शारीरिक बनावट के कारण सन्तुलन में बाधा, साधारण गति में बाधा आदि दोषों के निवारण के लिए भौतिक चिकित्सक उनके लिए व्यक्तिगत व्यायाम (Individual Exercise programme) कार्यक्रम बनाता है, जिससे कि उनकी उपरोक्त समस्याओं का निवारण हो सके उनकी चलने फिरने की क्षमता बढ़ सके। उनके शारीरिक क्षमता एवं गति के लिए भौतिक चिकित्सक विभिन्न प्रकार के उपकरणों एवं सहायक सामग्री का भी प्रयोग करते है।

2. भौतिक चिकित्सा का प्रयोग उन बच्चों की सहायता के लिए भी बहुत उपयोगी होता है जिन्हें तान्त्रिका तन्त्र (Nourological) सम्बन्धी विकार होते है जैसे कि बहुविध उत्तक दृढ़न (Multiple Sclerosis) आघात (Stroke), प्रभस्तिष्क अंग घात (Ceribral Palsy) आदि।

3. भौतिक चिकित्सा का प्रयोग बच्चों के शरीर में आयी चोटों, अथवा गठ्ठिया रोग (Arthritis) आदि के कारण हुई विकृतियों को सुधारने में महत्त्वपूर्ण या प्रभावशाली होता है।

4. बाल चिकित्सा के उपचार– बच्चों में होने वाले पेशीय दुर्विकार (Muscular Dystrophy) के उपचार के लिए भी भौतिक चिकित्सक का योगदान महत्त्वपूर्ण है। इसके कारण बच्चों में संतुलन, बल और शारीरिक सामजस्य में व्यापक सुधार किया जा सकता है।

भौतिक चिकित्सा की तकनीके

1. मालिश (Massage and Manipulation)
2. गति और व्यायाम (Exercise and Movement)
3. विधुत चिकित्सा (Electro-Therapy)
4. जल चिकित्सा (Hydrotherapy)

Mind & Mouse Creation
www.eworksheet.org
Free Worksheets & Study Material Class 1 To 12

Mind & Mouse Creation
www.eworksheet.org
Free Worksheets & Study Material Class 1 To 12

प्रश्न . वाक् चिकित्सक किस प्रकार विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की सहायता करते है। वर्णन कीजिए?

उत्तर–वाक् चिकित्सक (Speech Therapist):–एक वाक् चिकित्सक बच्चों में कई प्रकार के विकासात्मक विलम्ब जैसे–स्वलीनता (Autism), श्रवण बाधित, और डाउन–सिन्ड्रोम के कारण होने वाले वाक् सम्बंधी दोषो को दूर करने में सहायता करता है।

1. भाषण की अभिव्यक्तिः (Articulation):–भाषण की अभिव्यक्ति जीभ, होठ, जबडा, और तालू (Tongue) के समनव्य की कला है जिससे अलग–अलग प्रकार के शब्दों की ध्वनि निकलती है। वाक् चिकित्सक बच्चों की भाषण की अभिव्यक्ति में सुधार करने के लिए आवश्यक सुझाव देता है।

2. प्रभावित भाषा कौशल (Expressive Language Skill):–एक वाक् चिकित्सक बच्चों को बोलने के साथ–साथ सांकेतिक भाषा का प्रयोग करने की कला को सिखाता है। जिससे कि भावों को आसानी से समझा जा सकता है।

3. श्रवण कौशल में सुधार (Listining Skill improvement):–वाक् चिकित्सक एक बच्चे की सुनने की क्षमता के विकास में सहायता करता है ताकि वह नवीन शब्दावली को विकसित कर सके, और छोटे–छोटे प्रश्नों के आसानी से उत्तर दे सके, व सहपाठियों के साथ उचित वार्तालाप कर सकें।

4. वाक् पुटता (Stuttering):–एक वाक् चिकित्सक हकलाने सम्बधी जैसे रूक–रूक कर बोलना, शब्दों को दोहराना, शब्दों की ध्वनि को बढ़ा देना, और चेहरे की, गले की, कंधो की, त्वचा में खिचाव और तनाव आदि दोषो को दूर करने में सहायता करता है।

5. आवाज और गूंज (Voice and Resonance):- कभी–कभी बच्चों में खांसी, जुकाम, और अधिक बोलने अथवा अन्य कारणो से बच्चों की आवाज में एक विशेष प्रकार की गूंज (Resonance) आ जाती है जिसे वाक् चिकित्सक ठीक करने में सहायता करता है।

Mind & Mouse Creation
www.eworksheet.org
Free Worksheets & Study Material Class 1 To 12

Mind & Mouse Creation
www.eworksheet.org
Free Worksheets & Study Material Class 1 To 12

प्रश्न . एक शारीरिक शिक्षा शिक्षक की भूमिका विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए क्या है?

उत्तर–शारीरिक शिक्षा के शिक्षक को विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए अधिनियम 2016 के अनुसार उन्हें शारीरिक क्रियाओं को कराने के लिए अपने पाठ्यक्रम में बदलाव किया जाना चाहिए तथा उन्हें सामान्य बच्चों की भाँति गतिविधियों को कराना चाहिए। किसी विशेष आवश्यकता के लिए विशेष उपकरणों की व्यवस्था की जानी चाहिए।

बाल सम्बंधी खेल–विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के लिए ऐसे खेल विशेष ढ़ग से तैयार किए जाते है जिससे कि गामक क्रियाओं में वृद्धि हो, गति, शक्ति, एवं तालमेल सम्बधी क्रियाओं में वृद्धि हो सके। शोध कर्ताओं ने पाया है कि, बाल, फेकना, पकड़ना, घूर्णन करना आदि क्रियाओं से पेशियों की शक्ति में वृद्धि होती है।

एक शारीरिक शिक्षक बच्चे के अभिभावकों एवं चिकित्सक की मदद से विशेष बच्चे की अक्षमता के आधार पर क्रियाएँ तैयार करता है, एवं चिकित्सक की सलाह से उन्हे क्रिन्यावित करता है।

Mind & Mouse Creation
www.eworksheet.org
Free Worksheets & Study Material Class 1 To 12

Mind & Mouse Creation
www.eworksheet.org
Free Worksheets & Study Material Class 1 To 12

प्रश्न. विशेष शिक्षण शिक्षक के योगदान पर प्रकाश डालिए–

उत्तर–1. विद्यार्थियां` के कौशल का आकं लन करना जिससे वे अपनी जरूरतों का निर्धारण कर सकें और अपने शिक्षण नियोजन को विकसित कर सकें।

2. विद्यार्थियों की आवश्यकतानुसार अनुकूलित पाठो का निर्माण करना है।

3. प्रत्येक विद्यार्थी के लिए अलग से शिक्षा का कार्यक्रम विकसित करना।

4. एक विद्यार्थी की क्षमता के अनुसार क्रियाओं की योजना बनाना और उनका आयोजन करना तथा उनको बाटँना।

5. प्रत्येक विद्यार्थी के लिए व्यक्तिगत शैक्षिक कार्यक्रम को क्रियान्वित करना, विद्यार्थियों के प्रदर्शन का आंकलन करना और उनकी उन्नति का रिकार्ड रखना।

6. व्यक्तिगत शैक्षणिक कार्यक्रम का पूरे साल नवीनीकरण करना जिससे विद्यार्थियों की उन्नति व लक्ष्य को निर्धारित करने में मदद मिल सके।

Mind & Mouse Creation
www.eworksheet.org
Free Worksheets & Study Material Class 1 To 12

Mind & Mouse Creation
www.eworksheet.org
Free Worksheets & Study Material Class 1 To 12

प्रश्न . समावेश के क्रियान्वय के कुछ तीरको का वर्णन करों।

उत्तर–विद्यालयी शिक्षा और उसके परिसर में समावेशी शिक्षा के कुछ तरीके निम्न हो सकत` हैं।

1. स्कूल के वातावरण में सुधार–स्कूल का वातावरण किसी भी प्रकार की शिक्षा में बड़ा ही योगदान रखता है। यह कई चीजों की शिक्षा बच्चों को बिना सिखाए भी देता है। अतः समावेशी शिक्षा हेतु सर्वप्रथम उचित तथा मनमोहक स्कूल भवन का प्रबन्धन जरूरी हैं इसके अलावा स्कूलों में आवश्यक सांज–सामान तथा शैक्षिक सामिग्री का भी समुचित प्रबंध जरूरी है।

2. दाखिले की नीति में परिवर्तन– जो विद्यार्थी चीजों को स्पष्ट रूप से देख पाने में सक्षम नहीं है, या आंशिक रूप से अपाहिज है। ऐसे विद्यार्थियों को स्कूल में दाखिला देकर हम समावेशन को बढ़ावा दे सकते हैं। जिसके लिए विद्यालय के दाखिला की नीति में परिवर्तन किया जाना चाहिए।

3. रूचिपूर्ण एवं विभिन्न पाठ्यक्रम का निर्धारण– किसी विद्वान ने सच ही कहा है कि ''बच्चों को शिक्षित करने का सबसे असरदार ढ़ग है कि उन्हें प्यारी चीजों के बीच खेलने दिया जाए।'' अतः सभी विद्यालयी बच्चों में समावेशी शिक्षा की ज्योति जलाने हेतु इस बात की भी नितांत आवश्यकता है कि उन्हें रूचियों के अनुसार संगठित किया जाए। और पाठ्यक्रम का निर्माण उनकी अभिवृतियों, मनोवृतियो, आंकाक्षाओं तथा क्षमताओं के अनुकूल किया जाए।

4. प्रावैगिक विधियों का प्रयोग–समावेशी शिक्षा हेतु शिक्षको को इसकी नवीन विधियों का ज्ञान करवाया जाए तथा उनके प्रयोग पर बल दिया जाए। समावेशी शिक्षा के लिए विद्यालय के शिक्षकों को समय–समय पर विशेष प्रशिक्षण–विद्यालयों में भेजे जाने की नितांत आवश्यकता है।

Mind & Mouse Creation
www.eworksheet.org
Free Worksheets & Study Material Class 1 To 12

Mind & Mouse Creation
www.eworksheet.org
Free Worksheets & Study Material Class 1 To 12

5. स्कूलों को सामुदायिक जीवन का केन्द्र बनाया जाए– समावेशी शिक्षा हेतु यह प्रयास भी किया जाना चाहिए कि स्कूलो को सामुदायिक जीवन का केन्द्र बनाया जाए ताकि वहाँ छात्र की सामुदायिक जीवन की भावना को बल मिले जिससे वे सफल एवं योग्यतम सामाजिक जीवन यापन कर सकें। इस उद्देश्य की प्राप्ति हेतु समय–समय पर विद्यालयों में वाद–विवाद, खेलकूद तथा देशाटन जैसे मनोरंजक कार्यक्रयों का आयोजन किया जाना चाहिए।

6. विद्यालयी शिक्षा में नई तकनीक का प्रयोग– समावेशी शिक्षा को लागू करने के लिए शिक्षाप्रद फिल्में, टी. वी. कार्यक्रम, व्याख्यान, वी. सी. आर. और कम्प्यूटर जैसे उपकरणों को प्राथमिकता के आधार पर विद्यालय में उपलब्धता और प्रयोग में लाई जाने की क्रांति की आवश्यकता है।

7. मार्गदर्शन एवं समुपदेशन की व्यवस्था– भारतीय विद्यालयों में समावेशी शिक्षा के पूर्णतया लागू न होने के कई कारणों में से एक कारण विद्यालय में मार्गदर्शन एवं समुपदेशन की व्यवस्था का न होना भी है। इसके अभाव में विद्यालय में समावेशी वातावरण का निर्माण नहीं हो पाता है। अतः समावेशी शिक्षा देने के तरीको में यह भी होना चाहिए कि विद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों और उनके अभिभावकों हेतु आदि से अंत तक सुप्रशिक्षित, योग्य एवं अनुभवी व्यक्तियों द्वारा मार्गदर्शन एवं परामर्श प्रदान करने की व्यवस्था होनी चाहिए।

Mind & Mouse Creation
www.eworksheet.org
Free Worksheets & Study Material Class 1 To 12

Mind & Mouse Creation
www.eworksheet.org
Free Worksheets & Study Material Class 1 To 12